

**पन** पुं. (तद्.) 1. प्रतिज्ञा, संकल्प 2. पान का संक्षिप्त रूप जो कि यौगिक पदों के आरंभ में लगाया जाता है यथा- पनवाड़ी 3. पानी का वह संक्षिप्त रूप जो उसे यौगिक पदों के प्रारंभ में लगने पर प्राप्त होता है यथा- पन-बिजली, पन-चक्की, पन-डुब्बी, पन-काल, पन-कौआ, पन-घट अव्य. नामवाचक या गुणवाचक संज्ञाओं में लगने वाला प्रत्यय, जिससे भाववाचक संज्ञा बनाई जाती है यथा- लड़कपन, बचपन, छिछोरापन, हरापन।

**पनग** पुं. (तद्.) सर्प, साँप, पन्नग।

**पनगनि** स्त्री. (तद्.) पन्नगी, सर्पिणी।

**पनघट** पुं. (तद्.) 1. पानी भरने का घाट, कुआँ 2. ऐसा स्थान जहाँ से लोग पानी भर के ले जाते हैं।

**पनच** स्त्री. (तद्.) 1. धनुष की डोरी, प्रत्यंचा 2. बाँस का छिलका।

**पनचक्की** स्त्री. (तद्.) पानी के दबाव या जोर से चलने वाली चक्की, मशीन।

**पनडब्बा** पुं. (देश.) 1. पान रखने का डिब्बा, पानदान 2. ऐसा डब्बा जिसमें सुपारी, चूना, कत्था आदि पान लगाने का सामान रखा जाता है।

**पनडुब्बी** स्त्री. (देश.) 1. पानी में डुबकी लगाकर मछली पकड़ने वाला पक्षी 2. मुरगाबी 3. पानी में डूबकर चलने वाली आधुनिक नाव।

**पनतुआ** पुं. (देश.) रसगुल्ले जैसी एक मिठाई।

**पनपना** अ.क्रि. (तद्.) 1. पल्लवित हो जाना, अंकुरित हो जाना 2. पानी प्राप्त करने या लगने से हरा-भरा हो जाना 3. रोग से मुक्त होने पर पुनः हष्ट-पुष्ट होना, स्वस्थ होना 4. फलना-फूलना, अच्छी स्थिति में आना 5. पेड़-पौधों का फिर से विकास होना, उनमें श्रीवृद्धि होना।

**पनपनाना** अ.क्रि. (देश.) 1. झल्पाना, खिन्न होना, आवेश में आना 2. सामान्य-सी बात पर तेजी दिखाना।

**पनपनाहट** पुं. (अनु.) बाण चलाने पर बार-बार होने वाला 'पन', 'पन' का स्वर।

**पनपाना** स.क्रि. (देश.) पनपने का सकर्मक रूप अर्थात् किसी के पनपने का कारण होना, पनपने में सहायक होना।

**पनबट्टा** पुं. (देश.) ऐसा छोटा डिब्बा जिसमें पान के लगे हुए बीड़े रखे जाते हैं।

**पनमड़िया** पुं. (देश.) ऐसी पतली माँड़ जिसका प्रयोग बुनाई के दौरान टूटे तागों को जोड़ने के लिए जुलाहे करते हैं।

**पनवाँ** पुं. (देश.) 1. पान के आकार की वह चौकी जिसे हुमेल आदि के बीचों-बीच लगाया जाता है 2. पान, टिकड़ा।

**पनवाड़ी** पुं. (देश.) 1. पान बेचने वाला, तमोली 2. स्त्री. वह खेत या भूमि जिसमें पान पैदा होते हैं।

**पनवारा** स्त्री. (देश.) 1. पत्तों की बनी हुई वह पत्तल जिसपर रखकर लोग भोजन करते हैं मुहा. पनवारा पड़ना- लोगों के खाने के लिए पत्तल बिछाना; पनवारा लगाना- पत्तल पर खाना सजाना, एक पत्तल भर भोजन जो एक मनुष्य के खाने हेतु पर्याप्त हो, एक प्रकार का सर्प।

**पनवारी** स्त्री. (देश.) दे. पनवाड़ी।

**पनस** पुं. (तत्.) 1. कटहल का वृक्ष 2. कटहल का फल 3. राम की सेना का एक बंदर 4. विभीषण का एक मंत्री 5. काँटा, कंटक, शूल।

**पनसारी** पुं. (देश.) हल्दी, धनिया आदि मसाले, दालें, जड़ी बूटी तथा अन्य खाद्य पदार्थ बेचने वाला, बनिया।

**पनसाल** स्त्री. (तद्.) 1. वह स्थान जहाँ सर्वसाधारण को पानी पिलाया जाता है, पौसरा, प्याऊ 2. पानी की पौसाला गहराई नापने का उपकरण, ऐसी लकड़ी जिसमें सेंटीमीटर, इंच तथा फुट आदि के मापक अंक खुदे होते हैं और इसी लकड़ी को पानी में डुबाकर उसकी गहराई तथा चढ़ाव-उतार देखते हैं 3. पानी की गहराई नापने की क्रिया या भाव।